राजस्थान यात्रा

TC-RAJHIN/17593 नज़र हर खबर पर हिन्दी पाक्षिक

वर्ष : 1 अंक : 03 जोधपुर, 1 जनवरी, 2016 पृष्ठ : 4 मूल्य-3.00 रु. प्रति अंक

ईस्वी संवत् के नववर्ष के अवसर पर आपको हार्दिक शुभकामनाएं

-संपादक

हाकम बदलता है हुक्म नहीं : गहलोत

हाकम का बदला हुक्म तो विपक्ष ने भरी हुंकार, रिफायनरी मामला तेल दोहन से पहले ही हुआ राजनीति का शिकार

सुनील दत्त की रिपोर्ट
sunilvdutt@gmail.com

जोधपुर। पश्चिमी राजस्थान में तेल दोहन को लेकर लगाई जाने वाली रिफायनरी का मुद्दा अब राजनीति के बस्ते से बाहर आ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बतौर हाकम पचपदरा में रिफायनरी लगाने का हुक्म दिया था लेकिन समय के साथ प्रदेश का हाकम बदला तो मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने हुक्म ही बदल दिया। बीजेपी शासित सरकार ने पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के रिफायनरी लगाने के फैसले को पलट दिया लेकिन वर्तमान सरकार के दो साल निकल जाने के बाद प्रदेश कॉंग्रेस ने राजे के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

जोधपुर में रिफायनरी मुद्दे को सियासी गरमाहट के साथ गहलोत ने हवा दी और कहा कि वसुंधरा राजे ने पश्चिमी राजस्थान की जनता के साथ भेदभाव किया है। पत्रकारों से सामना करते हुए गहलोत ने बीजेपी सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि हाकम बदलता है हुक्म नहीं लेकिन बीजेपी सरकार ने तो कांग्रेस सरकार के हुक्म को ही बदल दिया जो अन्यायपूर्ण है।

प्रदेश में गहलोत सरकार के रहते भारत सरकार की नवरत्न कंपनी हिंदुस्तान पैट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने बाड़मेर के पचपदरा में 37,239 करोड़ रुपये की लागत से रिफायनरी स्थापित करने का निर्णय लिया। इस उपक्रम का एमओयू 14 मार्च 2013 को हुआ और उसी साल के सितम्बर महीने में केंद्र की कांग्रेस सरकार ने पचपदरा में रिफायनरी का शिलान्यास कर दिया लेकिन सरकार बदल गई तो रिफायनरी की नीतियों में बदलाव कर दिया गया। गहलोत सरकार की नीतियों के अनुसार रिफायनरी चार साल में तैयार होनी थी यानी सही समय पर काम होता तो ये परियोजना 2017- 18 में पूरी हो जानी चाहिए थी लेकिन अब ऐसे आसार नहीं के बराबर है। गहलोत ने वसुंधरा राजे पर आरोप लगाया कि रिसर्जेंट राजस्थान में निवेशकों के जरिये प्रदेश की कायापलट कर देने की बात करने वाली सरकार ने राजस्थान में 40 हजार करोड़ रुपये की लागत से लगने वाली रिफायनरी के बारे में किसी तरह की चर्चा तक नहीं की।

अशोक गहलोत के साथ शहर कांग्रेस से पूर्व महापौर रामेश्वर दाधीच,जुगल काबरा,राजेन्द्र सोलंकी और बाड़मेर से सांसद हरीश चौधरी के साथ पश्चिमी राजस्थान से बड़ी संख्या में लोग राजस्थान रिफायनरी बचाओ अभियान में शामिल हुए। अभियान की शुरुआत में अशोक गहलोत ने रिफायनरी मुद्दे की हर बात को विगतवार बताया और कहा कि रिफायनरी मामले में राजे ने हर जगह झूठ बोला है। गहलोत ने आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी सरकार हमारे प्रदेश से तेल का दोहन कर दूसरे राज्यों की रिफायनरी में ले जाना चाहती है जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। रिफाइनरी का काम शुरू नहीं होने के पीछे वसुंधरा राजे की गलत नीतियां और उद्योग पतियों को फायदा पहुँचाने का आरोप भी गहलोत ने लगाया।

नव वर्ष पर मुख्यमंत्री की शुभकामनाएं

जयपुर। मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने नव वर्ष-2016 के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि नया साल सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लाए, जिससे हम नए उत्साह और संकल्प के साथ आगे बढ़कर प्रदेश के विकास में अपनी महत्ती भूमिका निभा सकें। श्रीमती राजे ने कहा कि यह दिन हमें आत्मचिंतन का अवसर देता है, जब हम अपने नए संकल्पों और लक्ष्यों को पूरा करने की प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के मूल मंत्र के साथ जनकल्याणकारी योजनाओं और जनहित से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में हर वर्ग के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के प्रयासों में कोई कमी नहीं आने देगी। हमारा सपना एक नया राजस्थान बनाने का है और यह सात करोड़ राजस्थानियों के सहयोग से ही पूरा हो सकता है। श्रीमती राजे ने प्रदेशवासियों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई है कि सभी लोग शांति एवं आपसी सद्भाव की परम्परा को आगे बढ़ाते हुए राजस्थान को देश का अग्रणी राज्य बनाने में एकजुट होकर योगदान देंगे।

चाणक्य की नीति पर चले तिवाड़ी

जयपुर। बिड़ला सभागार में घनश्याम तिवाड़ी के नेतृत्व में हुए प्रतिनिधि सम्मेलन में आई भीड़ से उत्साहित तिवाड़ी ने कहा- यह जगह कम पड़ गई है, अगला सम्मेलन अमरूदों के बाग में होगा। तिवाड़ी ने सांगानेर के प्रशिक्षण शिविर में हुई धक्कामुक्की की घटना को खुद पर हमला बताते हुए कहा कि वहां मुझसे पूछा गया कि आप कौन हैं और क्या करते हैं? इस घटना से मैं बहुत व्यथित हुआ। बाद में मैंने कर्ण और चाणक्य को पढ़ा और चाणक्य की नीति के आधार पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में तिवाड़ी के पुत्र अखिलेश ने कहा कि दीनदयाल वाहिनी का गठन हो चुका है, अगले 3 माह में जिला और पंचायत स्तर पर इसका विस्तार करेंगे। आगे की रणनीति का खुलासा करते हुए कहा कि अब पूरे प्रदेश में ऐसे चंद्रगुप्त पैदा करने हैं,

««शेष पृष्ठ तीन पर

प्रदेश में अगली सरकार भी हमारी : पंचारिया

जोधपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता ओंकारसिंह लखावत ने कहा कि भाजपा एक राष्ट्र, एक जन और संस्कृति की अवधारणा में विश्वास करती है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की अवधारणा में पार्टी आस्था रखती है। वे शिकारपुरा स्थित राजाराम आश्रम में रविवार को भाजपा के जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा राष्ट्र हित को पार्टी हित से ऊपर रखती है। भाजपा के जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग को पंचारिया ने संबोधित किया। पंचारिया जोशीले भाषण में कार्यकर्ताओं से कह रहे थे कि प्रदेश में अगली सरकार हमारी हो, इसके लिए अभी से हमें तैयारी में जुटना होगा। केंद्र में नरेंद्र भाई फिर

सत्ता में आएं, इसके लिए अभी से भूमिका तैयार करनी होगी। कार्यक्रम के समापन सत्र में राज्यसभा सदस्य एवं प्रदेश महामंत्री नारायण पंचारिया ने भाजपा के इतिहास, विकास एवं योगदान के बारे में कार्यकर्ताओं को जानकारी दी। साथ ही कार्यकर्ताओं से समर्पित भाव से सेवा करने का आह्वान किया। पंचारिया ने बताया कि पहले मंडल स्तर पर प्रशिक्षण वर्ग लगे, इसके बाद जिला स्तर पर और अब प्रदेश स्तर पर लगेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष के चुनाव संपन्न हो चुके हैं। शेष रहे चुनाव 15 जनवरी के बाद करवा लिए जाएंगे।

विदेशी कलाकारों ने किया लोक कला और संस्कृति का बीजारोपण

गांव की बात

विक्रम दत्त की रिपोर्ट
vikramduttsankhi@gmail.com

प्रादेशिक संस्कृति और गांव के जीवन की यात्रा के इस अंक में आपको जोधपुर के सोंचा गांव की एक ढाणी में लेकर चल रहे हैं। यहाँ 13 देशों के लोक कलाकार 14 दिन की ऐसी यात्रा पर आये हुए है जहाँ दो संस्कृतियों के रंगो की विरासत को समझा और परखा जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय ग्रामीण कला शिविर में जब हम पहुंचे तब तक शाम हो चुकी थी और शिविर में तम्बू के झोंपड़ बनाये हुए थे और हरेक व्यक्ति अपने काम में व्यस्त दिखा। मुख्य दरवाजे पर सूत से बनी खाट को खड़ा किया हुआ था और लिखा हुआ था सोइंग सीड्स जिसे हम हिंदी में बीज बोना कहते है। चारों तरफ तम्बू और बीच में मिट्टी और ईंटों के घेरे से कलात्मक तरीके से बनाये गये चौक में धीमी रोशनी पड़ रही थी। यहाँ वो लोग सामने आये जिन्होंने इस शिविर की पहल की, जो गांव की मिट्टी में पले और बढे। मागाराम, भूपताराम और चिमन डांगी कुछेक दोस्त कॉलेज में मिले लेकिन रिश्ते बने तो जीवन की इस यात्रा को फिर से गांव में लाया गया। माध्यम बने वो अनुभव जो कला के सफर में मिले।

««शेष पृष्ठ तीन पर